केन्द्रीय विद्यालय संगठन, आगरासंभाग
KENDRIYA VIDYALAYA SANGATHAN, AGRA REGION
(मानव संसाधनविकासमंत्रालय के अधीन, भारत सरकार)
(Under Ministry of HRD, Govt. of India)
ग्रान्डपरेडरोड, आगराछावनीGrand Parede Road, Agra Cantt,
आगरा(उ. प्र.) – 282001 Agra(U. P.) – 282001
www.kvsroagra.org.☎0562-2225530

अपील

हिन्दी दिवस के उपलक्ष पर में क्षेत्रीय कार्यालय, आगरा और उसके अन्तर्गत समस्त केन्द्रीय विद्यालयों के अधिकारियों और कर्मचारियों को अपनी हार्दिक शुभकामना प्रकट करता हूँ। हम प्रतिवर्ष 14 सितम्बर को हिन्दी दिवस के रूप में मनाते हैं। इस तिथि को सन् 1949 में भारत की संविधान निर्मात्री परिषद् ने हिन्दी को देश की राजभाषा के रूप में प्रतिष्ठित करने का ऐतिहासिक निर्णय लिया था। भारतीय संविधान में यद्यपि क्षेत्रीय भाषाओं को विकास की पूर्ण स्वतंत्रता प्रदान की गई है, तथापि पूरे राष्ट् के लिए एक संपर्क भाषा तथा केन्द्र के लिए एक राजभाषा का होना हमारी राष्ट्रीय एकता और अस्मिता की पहचान है।

हिन्दी दिवस/पखवाड़ा के आयोजन से हमें हिन्दी में कार्य करने के प्रति विशेष प्रेरणा व जागरूकता उत्पन्न होती है। इस दौरान अधिकाधिक कार्यालयीन कामकाज हिन्दी में करने से हिन्दी के उपयोग में बढ़ोतरी होती है। हिन्दी भाषी प्रदेशों में संकल्प की यह स्थिति अधिक दिनों तक चले, उचित नहीं लगता। अतः इस अवसर पर मैं क्षेत्रीय कार्यालय एवं अधीनस्थ केन्द्रीय विद्यालयों के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों से आग्रह करना चाहूँगा कि वे अपना समस्त दैनन्दिन कार्यालयीन कार्य अधिकाधिक रूप में राजभाषा हिन्दी में ही निष्पादित करने का श्रम करें। ऐसा करना न केवल एक संवैधानिक अपेक्षा है अपितु यह आसान भी है। राजभाषा के नवीन वार्षिक कार्यकम – 2013–14 की प्रति आपको उपलब्ध करा दी गई है, आशा है उसमें विभिन्न प्रयोजनों हेतु निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने की आवश्यक कार्रवाई आपके यहाँ अवश्य की जा रही होगी।

मुझे यह अवगत कराते हुए हर्ष का अनुभव को रहा है कि मानव संसाधन विकास मंत्रालय के शिक्षा विभाग ने नियमों के अनुरूप इस संभाग के अधिकांश केन्द्रीय विद्यालयों को राजभाषा नियम 1976 के नियम 10 (4) के अनुसरण में हिन्दी के प्रयोजन हेतु राजपत्र में अधिसूचित कर दिया है। अतः इस दृष्टि से भी हिन्दी में कार्य करने हेतु हमारी जिम्मेदारी और अधिक बढ़ जाती है। मुझे विश्वास है कि मेरे सहयोगी अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण जिस प्रकार सरकार की अन्य नीतियों को कियान्वित करने का दायित्व निभा रहे हैं उसी प्रकार राजभाषा नीति को भी समुचित रूप में एवं निष्ठापूर्वक कियान्वित करने के लिए सकिय और प्रभावी रूप से ठोस कदम उठायेंगे। आपके इन सार्थक प्रयासों से हमारी राष्ट्–भाषा हिन्दी के सम्मान एवं गौरव में निश्चित् रूप से वृद्धि होगी।

भवदीय

(जयदीप दास) 13.9.2013

उपायुक्त

" हिन्दी केवल कंठ का व्यायाम न होकर हृदय की प्रेरणा बन सके
तभी उसका सन्देश सार्थक हो सकेगा "

– महादेवी वर्मा